RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 25 नवंबर 2024 वर्ष 06 अंक 226 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

धोखा करने वालों को महाराष्ट्र की जनता ने नकार दिया- पीएम नरेंद्र मोदी

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद

देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री

बनाने के पक्ष में हैं कार्यकर्ता और विधायक

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद ,सावनेर विधानसभा सीट से भाजपा के विजयी उम्मीदवार आशीषराव देशमुख ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और विधायक देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में हैं। देशमुख ने कहा, '' महाराष्ट्र की जनता ने उनके साथ खड़े होने का फैसला किया है।''

हमें राज्य में अभूतपूर्व नतीजे मिले हैं। हमारा लक्ष्य लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना और अगले पांच सालों में महाराष्ट्र को नंबर वन राज्य बनाना होगा। संसदीय बोर्ड सीएम का चेहरा तय करेगा। अगर कार्यकताओं की बात करें तो बीजेपी और विधायक देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में हैं । हमें उम्मीद है कि सीएम का चेहरा कोई और होगा। उन्होंने कहा कि सीएम के चयन का फैसला पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और संसदीय बोर्ड द्वारा मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजीत पवार को लूप में रखने के बाद लिया जाएगा।

''हर पार्टी का कार्यकर्ता अपने नेता को सीएम के रूप में देखना चाहता है। अगर विधायकों की बात मानी जाए तो वे पार्टी के लिए काम करेंगे।गठबंधन में भाजपा बहुमत में है, इसमें भाजपा की बड़ी भूमिका है।शिवसेना और एनसीपी उम्मीदवारों की जीत में भाजपा कार्यकताओं का योगदान । हमें उम्मीद है कि सीएम का चेहरा पार्टी से ही होगा। उन्होंने कहा, '' भाजपा को राज्य में दोहरी इंजन वाली सरकार बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।'' सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है।भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने अपने सहयोगियों - शिवसेना और एनसीपी - को साथ लेकर शानदार जीत दर्ज की ।भाजपा ने 132 सीटें जीती हैं; मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 सीटें जीती हैं, और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटें जीती हैं। राज्य में 288 विधानसभा सीटें हैं। इसके विपरीत, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को करारा झटका लगा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीती हैं, कांग्रेस ने 16 सीटें हासिल की हैं, और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) को सिर्फ.10 सीटें मिली हैं।

किरीट सोमैया ने विपक्ष पर महाराष्ट्र चुनाव में हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराने के लिए बोला हमला

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता किरीट सोमैया ने महाराष्ट्र में विपक्ष पर महाराष्ट्र चुनाव में हार के लिए ईवीएम को दोषी ठहराने के लिए हमला बोला । एएनआई से बात करते हुए सोमैया ने कहा, ''नाना पटोले, रमेश चेन्निथला, संजय राउत और उद्धव ठाकरे ईवीएम को दोषी ठहरा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय भी यही ईवीएम इस्तेमाल की गई थी। उस समय उन्होंने ईवीएम को दोषी नहीं ठहराया था। हमने झारखंड में अपनी हार स्वीकार कर ली है। जब हम महाराष्ट्र में जीते , तो वे दोष दे रहे हैं और बहाने बना रहे हैं।'' इससे पहले आज, बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि जो लोग ईवीएम को दोषी ठहराना चाहते हैं, उन्हें ध्यान देना चाहिए कि वही मशीनें झारखंड में थीं, जहां परिणाम भारतीय ब्लॉक के पक्ष में थे।

भंडारी ने कांग्रेस की आलोचना की और इसे ''लोकतंत्र विरोधी'' पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा, ''जो लोग ईवीएम को दोष दे रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि झारखंड में भी यही ईवीएम इस्तेमाल की गई थी, जहां नतीजे आपके पक्ष में आए। वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक उनकी 'झूठ की दुकान' का पदार्फाश हो गया है। अगर आप (भारत गठबंधन) अपनी हार के लिए ईवीएम को दोष दे रहे हैं तो आपको उन राज्यों से इस्तीफा दे देना चाहिए जहां आपने सरकार बनाई है। कांग्रेस का मतलब लोकतंत्र विरोधी है।'' महाराष्ट्र में भाजपा ने 132 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी दल-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 सीटें जीतीं, और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटें जीतीं।

आठ साल से लंबित 80 वर्षीय दंपति से जुड़े मामले की सुनवाई

अदालत ने की निर्णय में 8 वर्ष देरी की निंदा

मुंबईः आठ साल से लंबित एक अस्सी वर्षीय दंपत्ति से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए एक सत्र अदालत ने कहा कि अब तक मामला सुलझ जाना चाहिए था। कानूनी लड़ाई के बावजूद दंपत्ति जोगेश्वरी में उसी घर में रह रहे हैं।

अदालत ने यह टिप्पणी 94 वर्षीय पति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा नवंबर 2022 के आदेश को चुनौती दी गई थी। आदेश में उनकी 81 वर्षीय पत्नी को देय अंतरिम भरण-पोषण राशि 6,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति माह कर दी गई थी। पत्नी ने पहली बार 2016 में घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत भरण-पोषण की मांग करते हुए मजिस्ट्रेट से संपर्क किया था। दो साल बाद, 2018 में, अदालत ने पति को मामले के सुलझने तक 6,000 रुपये मासिक भुगतान करने का निर्देश दिया। नवंबर 2022 में, पत्नी ने इस राशि को बढ़ाने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने बिना किसी औपचारिक आवेदन के मंजूरी दे दी।

अजित पवार पुणे के सरदार !

पुणेः उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे जिले की आठ सीटें जीतकर दिखा दिया है कि वे जिले के सरदार हैं। अक्सर गुस्से में बोलने वाले, सार्वजनिक रूप से 'देखने' का बखान करने वाले, किसी शब्द का गलत इस्तेमाल कर विवादों में आ जाने वाले अजित पवार ने भाजपा में शामिल होने के बाद जिले में इस साल के चुनाव में प्रचार करते हुए अपनी प्रचार शैली में भारी बदलाव किया है। नतीजों से साफ है कि उन्होंने बिना कोई विवादित बयान दिए और व्यक्तिगत आलोचना से बचते हुए 'विकास' की थीम पर प्रचार किया।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

प्रक्रिया के बंदी...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि संविधान दिवस के दिन उन विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा जिन्होंने अपराध की अधिकतम तय सजा का एक तिहाई हिस्सा जेल में काट लिया है। यह देश की भीड़ भरी जेलों में जगह बनाने का एक नेक प्रयास है। परंतु काफी कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि जेल अधिकारी एक सप्ताह से भी कम समय में सूची संकलित करने और उसे तैयार करने पर निर्भर करेगा। यह बहुत भारी काम है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक देश की जेलों में बंद कुल कैदियों में 75 फीसदी विचाराधीन हैं। 2017 से अब तक इनमें 41 फीसदी का इजाफा हुआ है। विगत 19 वर्षों से जेलों में भीड़ कम करने के प्रयासों के बावजूद ऐसे हालात बने हुए हैं। उदाहरण के लिए संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा 2005 में पेश दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436 ए में कहा गया कि ऐसे विचाराधीन कैदी (उन कैदियों के अलावा जिन्होंने मृत्युदंड पाने लायक अपराध किए हों) जो अपराध के लिए तय अधिकतम सजा का आधा समय जेल में बिता चुके हों, उन्हें अदालतें जमानत के साथ या उसके बिना पर्सनल बॉन्ड पर रिहा कर सकती हैं।

2009 तक इस दिशा में अधिक प्रगति नहीं हुई। देश के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन ने भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटों को यह निर्देश दिया कि वे मामूली अपराधों के लिए बंद विचाराधीन कैदियों की तादाद का पता लगाएं और उनमें से जो उनके अपराधों के लिए तय सजा की आधी से अधिक अवधि जेल में बिता चुके हैं उन्हें पर्सनल बॉन्ड पर रिहा कर दिया जाए। इस मामले में भी बहुत धीमी प्रगति हुई। मुख्यतौर पर ऐसा इसलिए हुआ कि अधिकांश विचाराधीन कैदी बॉन्ड या जमानत की व्यवस्था नहीं कर सके। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गत वर्ष एक योजना पेश की जिसके तहत उन कैदियों को वित्तीय सहायता दी जानी थी जो जमानत नहीं करवा सकते थे। योजना के तहत विचाराधीन कैदियों को 40,000 रुपये और दोषसिद्ध लोगों को 25,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जा सकती थी। इसके लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति की मंजूरी आवश्यक थी। परंतु नवंबर में इंडियास्पेंड में प्रकाशित एक अध्ययन जिसमें छह राज्यों से सूचना के अधिकार के तहत हासिल प्रतिक्रियाएं शामिल थीं, में पाया गया कि केवल महाराष्ट्र में 10 विचाराधीन और एक सजायाफ्ता कैदी को इस योजना के तहत रिहा किया गया।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

धोखा करने वालों को महाराष्ट्र की जनता ने नकार दिया- पीएम नरेंद्र मोदी

मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी मुख्यालय में महाराष्ट्र की जीत पर जनता का धन्यवाद दिया है. पीएम मोदी ने कहा, ह्यमहाराष्ट्र देश का छठा राज्य है जिसने बीजेपी को लगातार तीन बार जनादेश दिया है. मैं आज महाराष्ट्र की जनता जनार्दन का विशेष अभिनन्दन करना चाहता हूं. लगातार तीसरी बार स्थिरता को चुनना महाराष्ट्र के लोगों की सूझबूझ को दिखाता है. बीच में कुछ लोगों ने धोखा करके अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की लेकिन महाराष्ट्र ने उनको नकार दिया और इस बात की सजा मौका मिलते ही दे दी. महाराष्ट्र के लोगों ने जनादेश दिया है वह विकसित भारत के लिए बहुत बड़ा आधार बनेगा.'

नाना पटोले 208 वोट से किसी तरह जीते

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले साकोली विधानसभा क्षेत्र में 208 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की. साकोली से निवर्तमान कांग्रेस विधायक पटोले को 96,795 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उनके प्रतिद्वंद्वी अविनाश ब्रह्मणकर को 96,587 वोट मिले. निर्दलीय उम्मीदवार सोमदत्त करंजेकर 18,309 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार ने शनिवार को अपने भतीजे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार युगेंद्र पवार को एक लाख से अधिक मतों से हरा दिया. पिछले साल अपने चाचा शरद पवार से अलग हुए अजित पवार ने पुणे जिले में स्थित अपने पारिवारिक गढ़ बारामती से आठवीं बार चुनाव लड़ा और उन्हें 1,81,132 वोट मिले, जबकि युगेंद्र पवार को 80,233 वोट हासिल हुए. इस तरह अजित पवार ने अपने छोटे भाई के बेटे युगेंद्र को 1,00,899 के अंतर से हरा दिया. एनसीपी के दोनों गुटों ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोई कसर नहीं छोड़ी और यहां तक कि शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार और सुले की बेटी रेवती भी युगेंद्र के लिए प्रचार करती नजर आईं, जबकि अजित पवार बारामती में अपनी समापन रैली के दौरान अपनी मां को मंच पर लेकर आए थे.

महाराष्ट्र चुनाव : महायुति की जीत के बाद अब CM पद को लेकर टेंशन!

बीजेपी, शिंदे और अजित गुट की अलग अलग बैठक जारी

मुंबईः महाराष्ट्र में महायुति की जीत के बाद आज यानी रविवार को 24 नवंबर को मुंबई में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस के सागर बंगले पर बैठक हो रही है, जिसमें चंद्रशेखर बावन कुले सहित कई नेता पहुंचे हैं। इस बैठक में अगली रणनीति पर चर्चा की जा रही है। वहीं आज ठउढ अजित पवार गुट भी सुबह से बैठक करेगा, जिसमें पार्टी अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेगी। यह बैठक अजित पवार के घर पर हो रही है। आज शिवसेना-शिंदे गुट के विधायकों की भी बैठक ताज लैंड्स होटल में होगी।

जानकारी दें कि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संयुक्त महासचिव शिव प्रकाश और पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आज यहां उनके आवास पर मुलाकात के लिए पहुंचे। जानकारी दें कि, भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने बीते शनिवार को महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणामों के बाद ध्यान भाजपा नेता फडणवीस पर केंद्रित हो गया है जिनका राज्य में पार्टी की जीत में अहम योगदान है। वहीं भाजपा ने इस बार राज्य में 149 सीट पर चुनाव लड़ा था जिनमें से उसने 132 सीट पर जीत हासिल की। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि राज्य में मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे ब्राह्मण फडणवीस तीसरी बार इस पद पर आसीन होंगे। भाजपा नेता शिव प्रकाश और बावनकुले फडणवीस से मिलने रविवार को यहां मालाबार हिल क्षेत्र में स्थित उनके 'सागर' बंगले पर पहुंचे। मौजूदा राज्य विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त होगा जिसके कारण मुख्यमंत्री पद के लिए नाम तय करने के लिए सत्तारूढ़ सहयोगी दलों के नेताओं के बीच बैठकें जरूरी हो गई हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और अन्य बड़े नेता अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव हारे...

कांग्रेस में रिजल्ट के बाद अंदरूनी कलह बढ़ने की संभावना

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महाविकास आघाडी के घटक दलों कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार) को इस शर्मनाक हार के फल आने वाले दिनों तक ही नहीं, बल्कि कई वर्षों तक भुगतने होंगे। यह हार सबसे ज्यादा शर्मनाक तो कांग्रेस के लिए है। जिस मुंबई शहर में कांग्रेस की स्थापना हुई, उस मुंबई में उसका प्रदर्शन सबसे दयनीय रहा। जिस प्रदेश में कांग्रेस सबसे ज्यादा ताकतवर रही, उस महाराष्ट्र में भी पार्टी सबसे खराब दशा में आ गई है। मुंबई में 36 सीटों में से केवल 3 विधायक और महाराष्ट्र में कुल 288 में से सिर्फ 15 सीटों पर ही उसे जीत मिली है।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कुल 102 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जबकि उद्धव ठाकरे और शरद पवार दोनों की पार्टियां क्रमशः 96 और 87 सीटों पर चुनाव लड़ी थीं। महाराष्ट्र में कांग्रेस की 75 सीटों पर तो बीजेपी से सीधी लड़ाई हुई, जिनमें से 69 सीटों पर कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण भी कराड़ साउथ विधानसभा सीट से लगभग 40 हजार वोटों से चुनाव हार गए हैं। पिछली विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात अपनी परंपरागत संगमनेर सीट पर 10 हजार से ज्यादा वोट से चुनाव हार गए। चांदीवली से पूर्व मंत्री नसीम खान भी 20 हजार वोट से चुनाव हार गए हैं।

चुनाव के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस में अब कलह और बढ़ेगी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने तो मतगणना के बीच ही कांग्रेस की लीडरशिप पर निशाना साधते हुए बयान दे दिया कि हमारी हार की एक वजह यह भी हो सकती है कि हमारी लीडरशिप ही बेहद खराब थी।

महाराष्ट्र: 420 उम्मीदवार थे मुसलमान, सिर्फ 10 की हुई जीत... कम से कम 33 होने चाहिए एमएलए

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित रहे हैं. महायुति को चुनाव नतीजों में प्रचंड बहुमत मिली है. महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से महायुति 228, महाविकास आघाडी 47 और अन्य 13 सीटें जीतने में सफल रहे. ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि 288 विधानसभा सीटों में कितने मुस्लिम विधायक बने? तो बता दें प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है. हालांकि चुनाव 420 उम्मीदवारों ने लड़ा था.

अबू आजमी - मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट अबू आजमी ने अपने प्रतिद्वंद्वी अक्टक्ट के उम्मीदवार अतीक अहमद खान को हराया है. अबू आजमी ने अक्टक्ट के कैंडिडेट को 12 हजार 753 वोटों से हराया है. आजमी को 54 हजार 780 वोट मिले हैं. यहां पूर्व मंत्री और एनसीपी (अजित पवार) के कैंडिडेट नवाब मलिक की करारी हार हुई है. नवाब मलिक को सिर्फ 15 हजार 501 मिले हैं.

रईस कसम शेख - भवंडी ईस्ट विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट रईस कसम शेख जीत दर्ज की है. उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार संतोष मंजेया शेट्टी को 52 हजार 15 वोटों से हराया है. सपा कैंडिडेट को 1 लाख 19 हजार 687 वोट मिले हैं. जबकि दूसरे स्थान पर रहे शिवसेना कैंडिडेट संतोष मंजेया शेट्टी को 67 हजार 672 वोट मिले हैं. जबकि तीसरे स्थान पर रहे मनसे के उम्मीदवार को सिर्फ 1 हजार 3 वोट मिले हैं.

मुश्रिफ हसन मियालाल - कागल विधानसभा सीट से एनसीपी (अजित गुट) उम्मीदवार मुश्रिफ हसन मियालाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एनसीपी (शरद पवार गुट) के कैंडिडेट घाटगे समरजीतसिंह विक्रमसिंह को 11 हजार 581 वोटों से करारी शिकस्त दी है. मुश्रिफ हसन को 1 लाख 45 हजार 269 वोट मिले हैं, जबकि घाटगे समरजीतसिंह विक्रमसिंह को 13 लाख 3 हजार 688 वोट मिले हैं.

हारून खान - वसोर्वा विधानसभा सीट से शिव सेना (उद्धव गुट) के इकलौते मुस्लिम कैंडिडेट हारून खान ने बीजेपी कैंडिडेट डॉ. भारती लावेकर को 1 हजार 600 वोटों से शिकस्त दी है. शिवसेना के इकलौते मुस्लिम उम्मीदवार को 65 हजार 396 वोट मिले हैं. जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को भारती लावेकर को 63 हजार 796 वोट मिले हैं.

सना मलिक - अणुशक्ति नगर विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री नवाब मलिक की बेटी और एनसीपी (अजित पवार गुट) की कैंडिडेट सना मलिक ने जीत दर्ज की है. उन्होंने एनसीपी (शरद गुट) के उम्मीदवार और स्वरा भास्कर के पति फहद अहमद को 3 हजार 378 वोटों से करारी शिकस्त दी हैं. सना मलिक को 49 हजार 341 वोट मिले हैं. जबिक फहद अहमद को 45 हजार 963 वोट मिले हैं.

साजिद खान पठान - अकोला वेस्ट विधानसभा सीट से कांग्रेस कैंडिडेट साजिद खान पठान ने 1 हजार 283 वोटों से जीत दर्ज की है. साजिद खान को 88 हजार 718 वोट मिले हैं. जबकि बीजेपी कैंडिडेट अग्रवाल विजय कमलेश्वर को 87 हजार 435 वोट मिले है. वहीं तीसरे स्थान पर मौजूद निर्दलीय कैंडिडेट हरीश रतनलाल अलीमचंदानी को 21 हजार 481 वोट मिले हैं.

असलम रंजनाली शेख - मलाड वेस्ट विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार असलम रंजनाली शेख ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी कैंडिडेट विनोद शेलर को 6 हजार 227 वोटों से करारी शिकस्त दी है. असलम रंजनाली शेख को 98 हजार 202 वोट मिले है. जबकि बीजेपी उम्मीदवार विनोद शेलर को 91975 वोट मिले हैं.

मोहम्मद इस्माइल अब्दुल खालिक - मालेगांव सेंट्रल विधानसभा सीट से अक्टक्ट कैंडिडेट मुफ्ती मोहम्मद इस्माइल अब्दुल खालिक ने जीत दर्ज की है. उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार आसिफ शेख रशीद को सिर्फ 75 वोटों से करारी शिकस्त दी है. अक्टक्ट कैंडिडेट को 1 लाख 9 हजार 332 वोट मिले हैं. जबकि कांग्रेस कैंडिडेट को 1 लाख 9 हजार 257 वोट मिले हैं.

अमीन पटेल - मुंबा देवी विधानसभा सीट से अमीन पटेल ने कांग्रेस के सिंबल पर शिवसेना के उम्मीदवार शाइना एनसी को 34884 वोटों से हरा दिया है. शाइना एनसी बीजेपी की कद्दावर नेता रही हैं. सीट बंटवारे में मुंबा देवी सीट एकनाथ शिंदे के खाते में चली गई थी. वह चुनाव से ऐन वक्त पर शिवसेना में शामिल हुई और टिकट भी मिल गया था.

अब्दुल सत्तार - सिल्लोड विधानसभा सीट पर अब्दुल सत्तार ने शिवसेना की तरफ से शिवसेना उद्धव ठाकरे के उम्मीदवार सुरेश बनकर को कड़े मुकाबले में 2420 वोटों से हराया है. अब्दुल सत्तार को 1 लाख 37 हजार 960 वोट मिले. जबकि, सुरेश बनकर 1 लाख 35 हजार 540 वोट पाने में कामयाब हुए. बता दें साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, महाराष्ट्र में मुसलमानों की आबादी 11.5 फीसदी थी. इस हिसाब से राज्य में मुसलमानों की आबादी करीब 1.30 करोड़ होगी, लेकिन आबादी की तुलना में मुसलमानों को जन प्रतिनिधित्व मिलता नहीं दिखता है.

यहां आबादी के अनुसार 33 विधायक होने चाहिए, लेकिन इस बार के चुनाव में सिर्फ 10 मुस्लिम विधायकों को जीत मिली है.

दादर स्टेशन पर वातानुकूलित लोकल के दरवाजे बंद रहे यात्री उतर नहीं पाए; आगे की जांच तक ट्रेन मैनेजर निलंबित

मुंबई: एक चौंकाने वाली घटना में, टिटवाला-सीएसएमटी वातानुकूलित लोकल ट्रेन में सवार सैकड़ों यात्री शनिवार सुबह दादर स्टेशन पर फंस गए। ट्रेन मैनेजर (ट्रेन गार्ड) गोपाल ढाके दरवाजे खोलना भूल गए, जिससे यात्री ट्रेन के अंदर फंस गए। सूत्रों के अनुसार, ट्रेन सुबह 10:05 बजे दादर पहुंची और एक मिनट के लिए रुकी और 10:06 बजे रवाना हुई। हालांकि, दरवाजे बंद रहे और यात्री उतर नहीं पाए। जैसे ही ट्रेन फिर से चलने लगी, अफरातफरी मच गई और यात्रियों को उतरने के लिए अगले स्टेशन, परेल तक इंतजार करना पड़ा। सेंट्रल रेलवे (सीआर) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आगे की जांच तक ट्रेन मैनेजर को निलंबित कर दिया है।

सीआर के एक अधिकारी ने कहा, ''ट्रेन मैनेजर गोपाल ढाके दादर स्टेशन पर दरवाजे खोलना भूल गए। उन्हें निलंबित कर दिया गया है और हम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे।'' मुंबई उपनगरीय खंड पर वातानुकूलित लोकल ट्रेनों में एक स्वचालित दरवाजा बंद करने की प्रणाली है, जिसे ट्रेन प्रबंधक द्वारा संचालित किया जाता है। दरवाजों का नियंत्रण पैनल ट्रेन मैनेजर के केबिन से जुड़ा हुआ है, और दरवाजे ट्रेन मैनेजर के आदेश के बाद ही खुलते और बंद होते हैं। यात्रियों ने इस घटना पर निराशा और हताशा व्यक्त की, और रेलवे कर्मचारियों के बीच अधिक जवाबदेही और विस्तार पर ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुंबई में 26 / 11 को हुए आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा ने भारत में प्रत्यर्पण से बचने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील की

मुंबई : २६ / ११ को हुए आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा ने भारत में प्रत्यर्पण से बचने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। बता दें कि इसी साल १५ अगस्त को अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत तहव्वुर को भारत भेजे जाने का पैष्ठसला सुनाया था, जिसके बाद राणा ने इस पैष्ठसले के खिलाफ अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई बिजनेसमैन राणा ने पिछले साल फेडरल कोर्ट नाइंथ सर्किट में एक याचिका दायर की थी। उसने गुहार लगाई थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए, जिसे खारिज कर दिया गया था। गौरतलब है कि मई २०२३ में भी एक अमेरिकी अदालत ने राणा की तरफ से दायर याचिका को खारिज किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, अगर सुप्रीम कोर्ट भी तहव्वुर की अपील को खारिज कर देता है तो वह आगे और अपील नहीं कर पाएगा। इसके बाद तहव्वुर को भारत लाने का रास्ता आसान हो जाएगा। सूत्रों के अनुसार, तहव्वुर पर मुंबई हमले की फंडिंग का आरोप है। पिछले साल भी कोर्ट ने प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका खारिज की थी। भारत को सौंपे जाने से बचने के लिए तहव्वुर राणा ने अमेरिका के कोर्ट में हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका) दायर की थी। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का इस्तेमाल उस समय किया जाता है जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से कस्टडी में रखा जाए। इसके बाद लॉस एंजिलिस के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने पैष्ठसले में कहा था कि जिन आरोपों को आधार बनाकर भारत ने तहव्वुर के प्रत्यर्पण की मांग की है, उन्हें देखते हुए उसके प्रत्यर्पण की इजाजत दी जा सकती है। अपने खिलाफ फैसला आने के बाद राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में एक और याचिका दायर की थी। इस पर अगस्त को पैष्ठसला आया।

इसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज करने को सही ठहराया गया। पैनल ने माना कि राणा का अपराध अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आता है। पैनल ने माना कि भारत ने हमले को लेकर राणा पर लगाए गए आरोपों के पुख्ता सबूत दिए हैं। अब इस पैष्ठसले के खिलाफ राणा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

महायुति की भारी जीत से धारावी को 'विश्व स्तरीय' करने की परियोजना को मिलेगा बल

मुंबई: महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की भारी जीत से अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह की मुंबई की झुग्गी बस्ती धारावी को 'विश्व स्तरीय' जिले के रूप में पुनर्विकसित करने की 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की परियोजना को बल मिलेगा। विपक्षी दल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास के लिए अडानी समूह को दी गई सारी जमीन वापस लेने का वादा किया था और सत्ता में आने पर इस परियोजना को पूरी तरह से रद्द करने का वादा किया था। अडानी के लिए, जो एक अमेरिकी अदालत में रिश्वतखोरी के आरोपों का सामना कर रहे हैं, उनकी पसंदीदा धारावी परियोजना को रद्द करना एक बड़ा झटका होता। चुनाव परिणामों से पता चलता है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल शिवसेना और एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों ने महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से तीन-चौथाई से अधिक सीटें जीत ली हैं, अब ये चिंताएँ दूर हो गई हैं। अडानी की योजना 620 एकड़ की शानदार जमीन को, जो न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क के आकार का लगभग तीन चौथाई है, एक शानदार शहरी केंद्र में बदलने की है।

असली-नकली शिवसेना की लड़ाई में ठाकरे ने गंवाया अपना वोट बैंक...
कहीं दूसरे उद्धव न बन जाएं एकनाथ शिंदे!

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आखिरकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 36 सीट पर हरा दिया है। इस बार सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दल शिवसेना (शिंदे गुट) ने 81 सीट पर चुनाव लड़कर जहां 57 सीट जीतीं। वहीं विपक्षी महा विकास आघाडी की सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी) 95 उम्मीदवार उतारने के बावजूद केवल 20 सीट ही जीत पाई।

इस तरह देखा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 14 सीट पर शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवारों को हराया। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का मत 12।38% रहा, इसकी तुलना में शिवसेना (यूबीटी) का मत 9.96% रहा था। BJP के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने शनिवार को महाराष्ट्र में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की और 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट पर जीत हासिल की। लेकिन आखिर ऐसा क्या हुआ कि जिसि शिंदे की पार्टी को लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त मिली थी, उसे क्यों इस बार जनता ने सिर आंखों पर बिठा लिया। वे सारे विधायक फिर जीते, जो उद्धव ठाकरे से बगावत करके शिंदे के साथ चले गए थे। क्या इसके पीछे 'धनुष बाण' कनेक्शन है।

जहां लोकसभा चुनाव में शिवसेना का चुनाव चिह्न 'धनुष बाण' को इलेक्शन कमीशन ने जब्त कर रखा था। तब उद्धव गुट वाली शिवसेना का नया चुनाव चिह्न 'मशाल' था, वहीं एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना को 'दो तलवार और ढाल' वाला चुनाव चिह्न मिला था। ऐसे में लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के बीच एक भ्रम की स्थिति रही थी।

लेकिन फिर विधानसभा चुनाव आते-आते मामला सुलटा औरशिंदे की शिवसेना को फिर वही 'धनुष बाण' मिल गया जो शिवसेना का परंपरागत चुनाव चिह्न रहाथा। विधानसभा चुनाव में इसका नतीजा सिफर रहा और एकनाथ शिंदे उद्धव पर भारी पड़ गए। दरअसल मतदाताओं ने इस बार एकनाथ शिंदे को असली शिवसेना माना और उनका साथ देते नजर आए। लेकिन उद्धव ठाकरे को लोकसभा चुनाव में मिली सहानुभूति की लहर का फायदा इस चुनाव में इस बार नहीं मिला।

मुंबई बीएमसी का हजार करोड़ से ज्यादा का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया... २० डिफॉल्टरों पर ८२२ करोड़ बाकी

मुंबई: बीएमसी ने इस वित्तीय वर्ष में प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में ४,५५० करोड़ रुपए संग्रह करने का लक्ष्य रखा है। अब तक १,३७२ करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए मार्च २०२५ के अंत तक बीएमसी को अतिरिक्त ३,१७८ करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स संग्रहित करना होगा। यह लक्ष्य बीएमसी के लिए आसान नहीं है। पिछले ८ महीनों में अपने लक्ष्य का लगभग २७ प्रतिशत कर ही प्राप्त कर सकी है। इसके लिए बीएमसी ने जमकर नोटिस जारी किया है।

बीएमसी के एक अधिकारी के अनुसार शीर्ष २० डिफॉल्टरों को ८२२ करोड़ रुपए के बकाया के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। यह जब्ती नोटिस बीएमसी अधिनियम, १८८८ के अनुच्छेद २०३ के तहत जारी किए गए हैं। इस अनुच्छेद के अनुसार डिफॉल्टरों को अपना प्रॉपर्टी टैक्स चुकाने के लिए ९० दिनों का समय दिया जाता है। यदि इस अवधि के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है, तो २१ दिनों का अंतिम नोटिस जारी किया जाता है, जिसके बाद प्रॉपर्टी कुर्की की प्रक्रिया शुरू होती है। अधिकारी ने आगे बताया कि जी /साउथ वार्ड जिसमें वर्ली, महालक्ष्मी और प्रभादेवी शामिल हैं, यहां करीब ८०० करोड़ रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। सूत्रों के अनुसार, लोअर परेल के सेनापति बापट मार्ग स्थित रघुवंशी मिल पर लगभग १५८ करोड़ रुपए प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर ट्रक में आग... जलकर खाक

पालघर: महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक ट्रक में आग लगने से वह जलकर खाक हो गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दहानू में महालक्ष्मी मंदिर के पास एक पुल पर शुक्रवार शाम को हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। आग की लपटें देखते ही ट्रक का चालक तुरंत कूद गया और अपनी जान बचाई। एक अधिकारी ने बताया कि उसने और स्थानीय पुलिस ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद राजमार्ग पर यातायात कुछ घंटों तक प्रभावित रहा।

बैंक पर 65 हजार किसानों से ज्यादा ब्याज वसूलने का आरोप

मुंबई : हाई कोर्ट ने नाशिक जिला मध्यवर्ती सहकारी (एनडीसीसी) बैंक द्वारा 65 हजार किसानों से कर्ज पर ज्यादा ब्याज लेने को लेकर दायर जनहित याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में दावा किया गया है कि सहकारी बैंक द्वारा किसानों को दिए कर्ज पर ब्याज लेने के लिए आरबीआई की गाइडलाइन

का पालन नहीं किया जा रहा है। अदालत ने 18 दिसंबर को जनहित याचिका पर अगली सुनवाई रखी है।मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष नाशिक के किसान प्रकाश बालकृष्ण शिंदे और अर्जुन दामू बोराडे की ओर से वकील सुनिल जावले द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एनडीसीसी बैंक से खेती के लिए कर्ज लेने वाले किसान कर्ज पर ब्याज बढ़ने से परेशान हैं और वे आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हैं।

नवनिर्वाचित निर्दलीय उम्मीदवार शिवाजी पाटिल जीत के जश्न के दौरान गंभीर रूप से झुलस गए

मुंबई : महाराष्ट्र के चांदगढ़ विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित निर्दलीय उम्मीदवार शिवाजी पाटिल जीत के जश्न के दौरान गंभीर रूप से झुलस गए। अचानक जहां जीत का जश्न मनाया जा रहा था वहां आग लग गई, बताया जा रहा है कि पाटिल और जश्न में शामिल कुछ महिलाएं आग की चपेट में आ गईं। शिवाजी पाटिल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) के उम्मीदवार राजेश पाटिल को 24,134 वोटों से हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। जीत की खुशी में सब जश्न मना रहे थे, इसी दौरान ये घटाना हुई। वहीं आग लगने के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, साथ ही घायलों को अस्पताल भेजा गया। फिलहाल वहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com